

भारत-यू.के. मुक्त व्यापार समझौता: सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए एक चुनौती



यूपीएससी प्रासंगिकता

- प्रारंभिक परीक्षा- भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों का विनियमन, मेक्सिको की पोषण नीतियों या नमस्ते योजना पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) और आर्थिक भूगोल के लिए भी प्रासंगिक।

मुख्य परीक्षा प्रासंगिकता :

- यह विषय सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II (स्वास्थ्य एवं शासन) और सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III (अर्थव्यवस्था) को जोड़ता है। यह जन स्वास्थ्य, खाद्य प्रणालियों और नियामक क्षमता पर व्यापार नीति के प्रभावों को शामिल करता है—जो नीतिगत सुसंगतता और सतत विकास के विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण है।

चर्चा में क्यों?

- 24 जुलाई, 2025 को, भारत ने यूनाइटेड किंगडम के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कई महत्वपूर्ण टैरिफ रियायतें शामिल हैं। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई चिंताओं में हाई फैट, शुगर और सॉल्ट (HFSS) उत्पादों को दी जाने वाली शुल्क-मुक्त पहुँच शामिल है, जो भारत में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बोझ को बढ़ा सकती है।

भारत-यू.के. मुक्त व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि

- केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 22 जुलाई, 2025 को स्वीकृत इस मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का उद्देश्य आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना है। हालाँकि, इसमें स्वास्थ्य-केंद्रित सुरक्षा उपायों का अभाव है, जिससे पोषण विशेषज्ञों, बाल रोग विशेषज्ञों और लोक नीति अधिवक्ताओं के बीच चिंताएँ बढ़ रही हैं।
- उदाहरण: इसी तरह के मुक्त व्यापार समझौतों ने पहले भी अस्वास्थ्यकर खाद्य उत्पादों के लिए द्वार खोल दिए हैं। उदाहरण के लिए, नाफ्टा के बाद, मेक्सिको में अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के आयात में वृद्धि देखी गई, जिससे मोटापे और मधुमेह की दरों में बेतहाशा वृद्धि के साथ एक जन स्वास्थ्य संकट पैदा हो गया।

मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बारे में

- मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) दो या दो से अधिक देशों के बीच व्यापार समझौते होते हैं जिनका उद्देश्य टैरिफ और प्रतिबंधों जैसी व्यापार बाधाओं को कम करना या समाप्त करना होता है, और तरजीही बाज़ार पहुँच प्रदान करना होता है।



मुख्य विशेषताएँ:

- मुक्त व्यापार समझौते वस्तुओं (कृषि और औद्योगिक) और सेवाओं (बैंकिंग, आईटी, निर्माण) दोनों को कवर करते हैं।
- उन्नत मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) में निवेश, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), सरकारी खरीद और प्रतिस्पर्धा नीति पर अध्याय भी शामिल हो सकते हैं।

व्यापार समझौतों के प्रकार:

- आंशिक क्षेत्र समझौते (PSA): कुछ वस्तुओं तक सीमित।
- मुक्त व्यापार समझौते (FTA): सदस्य देशों के बीच शुल्क कम करते हैं जबकि गैर-सदस्यों के साथ अलग-अलग शुल्क रखते हैं।
- सीमा शुल्क संघ: गैर-सदस्यों के लिए समान बाह्य शुल्क।

- साझा बाज़ार: वस्तुओं, सेवाओं और उत्पादन के कारकों की मुक्त आवाजाही।
- आर्थिक संघ: सदस्यों के बीच समन्वित समष्टि आर्थिक और विनिमय दर नीतियाँ।

भारत के प्रमुख व्यापार समझौते:

- भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते, भारत-दक्षिण कोरिया CEPA, और प्रस्तावित भारत-यूके तथा भारत-यूरोपीय संघ समझौते।

व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA) के बारे में?

- CECA एक व्यापार समझौता है जो वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, बौद्धिक संपदा और आर्थिक सहयोग सहित आर्थिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करता है। पारंपरिक एफटीए के विपरीत, सीईसीए में गहन आर्थिक सहयोग और विनियामक संरेखण शामिल होता है।

HFSS आयातों के शुल्क-मुक्त प्रवेश के स्वास्थ्य प्रभाव

- FTA के तहत शर्करा युक्त पेय, चॉकलेट और प्रोसेस्ड स्नैक्स जैसे उत्पादों के शुल्क-मुक्त प्रवेश की अनुमति देने से यह चिंता उत्पन्न हो रही है कि कम कीमतों और व्यापक उपलब्धता से अस्वास्थ्यकर सेवन को बढ़ावा मिलेगा, विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के बीच।



उदाहरण / केस अध्ययन – मेक्सिको:

- उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (NAFTA) के बाद, मेक्सिको संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रोसेस्ड खाद्य उत्पादों का सबसे बड़ा आयातक बन गया। 1994 से 2010 के बीच, मेक्सिकन वयस्कों में मोटापे की दर 25% से अधिक बढ़ गई, जबकि सॉफ्ट ड्रिंक की खपत में तेज़ी से वृद्धि हुई। विशेषज्ञ अब इस प्रवृत्ति को व्यापार-संचालित आहार परिवर्तनों से जोड़ते हैं, जो यह तर्क मजबूत करता है कि उदारीकृत आयात राष्ट्रीय पोषण परिणामों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

भारत का कमजोर सार्वजनिक स्वास्थ्य नियमन

- भारत के पास HFSS उत्पादों के विपणन, लेबलिंग और बिक्री को नियंत्रित करने के लिए कोई व्यापक ढांचा नहीं है:
- बच्चों को लक्षित जंक फूड विज्ञापनों पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है
- भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (ASCI) द्वारा स्वयं-नियमन बाध्यकारी नहीं है
- स्कूल कैटीनों के नियमन में कमी है
- उदाहरण: इसके विपरीत, यू.के. ने 9 बजे के बाद HFSS विज्ञापनों पर टीवी पर प्रतिबंध और अक्टूबर 2025 से ऑनलाइन विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया, बच्चों के स्वास्थ्य को उद्योग के हितों पर प्राथमिकता दी।

चेतावनी लेबल और लेबलिंग मानकों में देरी

- बार-बार विशेषज्ञों की सिफारिशों के बावजूद, भारत ने पैक्ड फूड के लिए अनिवार्य चेतावनी लेबल लागू नहीं किया है। खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने 'हेल्थ स्टार रेटिंग' प्रणाली का प्रस्ताव किया है, जो उपभोक्ताओं के लिए भ्रामक और गैर-स्वाभाविक है।
- उदाहरण: चिली द्वारा खाद्य पैक्स पर काले ऑक्टागोनल चेतावनी लेबलों को अपनाने से एक वर्ष में शर्करा युक्त पेय पदार्थों की खपत में 23% की कमी आई, जो साबित करता है कि सरल और स्पष्ट लेबलिंग उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावी ढंग से प्रभावित कर सकती है।

भारत में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ता बोझ

- भारत का अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (UPF) बाजार 2011–2021 के दौरान 13.3% की सीएजीआर (CAGR) से बढ़ा है।
- 5–19 वर्ष के बच्चों में मोटापे की दर पिछले दशक में दोगुनी हो गई है।
- शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में अब मधुमेह और उच्च रक्तचाप सामान्य हैं।
- **उदाहरण:** राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) के अनुसार, महिलाओं में अधिक वजन की दर 15–49 वर्ष की उम्र में 20.6% (2015-16) से बढ़कर 24% (2019-21) हो गई है, जो HFSS खाद्य पदार्थों की बढ़ती उपलब्धता के साथ मेल खाती है।

स्वास्थ्य के वाणिज्यिक निर्धारक: एक नई चिंता

- वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञ अब स्वास्थ्य के वाणिज्यिक निर्धारकों पर जोर दे रहे हैं — यानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों पर कॉर्पोरेट प्रथाओं, व्यापार नीतियों और विज्ञापन का प्रभाव। FTA जैसे व्यापार समझौते इस प्रभाव को बढ़ा सकते हैं, जो स्वास्थ्य सुरक्षा की बजाय बाजार पहुंच को प्राथमिकता देते हैं।
- उदाहरण: WHO ने 2024 में देशों को व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने से पहले स्वास्थ्य प्रभाव मूल्यांकन (HIA) करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए, जो अस्वास्थ्यकर वस्तुओं के संपर्क को बढ़ा सकते हैं।

लोक स्वास्थ्य को संबोधित करने में नीतिगत खामियां

- भारत में व्यापार, स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालयों के बीच मजबूत अंतर-क्षेत्रीय समन्वय की कमी है। अधिकांश नीतिगत कार्रवाई टुकड़ों में या स्वैच्छिक रहती है, जिसके परिणामस्वरूप खराब प्रवर्तन और अस्वास्थ्यकर उत्पादों को बढ़ावा देने वाली कंपनियों के लिए न्यूनतम प्रतिकार होता है।
- उदाहरण: FSSAI द्वारा 2023 में फ्रंट-ऑफ-पैक न्यूट्रिशन लेबलिंग (FOPNL) पेश करने का प्रयास खाद्य उद्योग के दबाव में कमजोर कर दिया गया था, जिसने स्पष्ट चेतावनियों के बजाय एक अधिक "ब्रांड-फ्रेंडली" रेटिंग प्रणाली का समर्थन किया।

आगे का रास्ता: व्यापार और स्वास्थ्य लक्ष्यों का समन्वय

- 1. बच्चों को लक्षित HFSS खाद्य उत्पादों के विज्ञापन पर सभी प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाएं।
- 2. अनिवार्य, सरल और समझने योग्य चेतावनी लेबल लागू करें।
- 3. स्कूल कैटीनों में HFSS उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए नियम बनाएं।
- 4. भविष्य के एफटीए पर हस्ताक्षर करने से पहले स्वास्थ्य प्रभाव मूल्यांकन (HIA) अनिवार्य करें।
- 5. पोषण और खाद्य साक्षरता पर सार्वजनिक जागरूकता अभियान बढ़ाएं।
- उदाहरण: 2024 में, उरुग्वे ने स्कूलों में उच्च-शर्करा उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून पास किया, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों में शर्करा की खपत में 23% की कमी आई और आहार गुणवत्ता के स्कोर में सुधार हुआ।

निष्कर्ष: क्या यह एक महंगा व्यापार समझौता हो सकता है?

- भारत-यू.के. FTA, जबकि आर्थिक लाभ का वादा करता है, स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने का जोखिम उठाता है क्योंकि यह हानिकारक खाद्य उत्पादों के प्रवाह को बढ़ावा देता है। यदि भारत ने मजबूत नियामक सुरक्षा उपाय नहीं किए, तो यह समझौता अगले दशक में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को जन्म दे सकता है।
- भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आर्थिक कूटनीति अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर न हो। एक संतुलित नीति—जहां व्यापार के लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के साथ समन्वित हों—समय की आवश्यकता है।
- निष्कर्ष: व्यापार को स्वास्थ्य से समझौता नहीं करना चाहिए
- भारत को एक नाजुक संतुलन बनाना चाहिए—आर्थिक अवसरों को अधिकतम करते हुए अपनी जनसंख्या को स्वास्थ्य जोखिमों से बचाते हुए। FTA को अस्वास्थ्यकर आयातों के लिए एक पिछवाड़ा नहीं बनना चाहिए, जो भारत के NCD बोझ को बढ़ाते हैं।

इसके बजाय, भारत को चाहिए:

- अपने नियामक स्वायत्तता का दावा करें
- FTA का उपयोग सतत विकास का समर्थन करने के लिए करें
- अपनी पोषण संप्रभुता की रक्षा करें
- जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार सार्वजनिक स्वास्थ्य से अधिक जुड़ता जा रहा है, भारत के पास एक नया मानक स्थापित करने का अवसर है: एक स्वास्थ्य-संवेदनशील व्यापार नीति जो अर्थव्यवस्था और लोगों दोनों को उठाती है।



भारत-यू.के. FTA के संभावित लाभ भारत के लिए

- 1. निर्यात में वृद्धि: U.K. बाजारों के लिए वस्त्र, फार्मा, चमड़ा आदि का शुल्क-मुक्त प्रवेश, और व्यापार का अनुमान है कि 2030 तक \$100 बिलियन को पार कर जाएगा (NITI Aayog)।
- 2. MSME क्षेत्र में नौकरी सृजन: श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और हस्तशिल्प को लाभ मिलेगा।
- 3. फार्मा क्षेत्र में वृद्धि: भारतीय जनरिक दवाओं के लिए तेज़ अनुमोदन, U.K. द्वारा भारतीय फार्मा मानकों की मान्यता, NHS के लिए निर्यात बढ़ने के साथ।
- 4. सेवाएं और डिजिटल व्यापार: उदार visa और डेटा मानदंड IT और fintech निर्यात को बढ़ावा देंगे।
- 5. रणनीतिक लाभ: ब्रेक्सिट के बाद यूरोप में भारत की भू-आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
- 6. हरित व्यापार सहयोग: हरित हाइड्रोजन और निम्न-कार्बन लॉजिस्टिक्स प्रौद्योगिकियों में सहयोग।

UPSC प्रीलिम्स प्रश्न

- **Q. वर्तमान में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा/से सही हैं? (2020)**
 - 1. भारत के वस्त्र निर्यात उसके वस्त्र आयात से कम हैं।
 - 2. भारत के आयातों में आयरन और स्टील, रसायन, उर्वरक और मशीनरी में हाल के वर्षों में कमी आई है।
 - 3. भारत के सेवाओं के निर्यात उसके सेवाओं के आयात से अधिक हैं।
 - 4. भारत समग्र व्यापार/वर्तमान खाता घाटे का सामना करता है।
- **सही उत्तर चुनें:**
 - (A) केवल 1 और 2
 - (B) केवल 2 और 4
 - (C) केवल 3
 - (D) 1, 3 और 4

उत्तर: D) 1, 3 और 4

UPSC मेन्स अभ्यास प्रश्न

GS पेपर 3 – अर्थव्यवस्था / सार्वजनिक स्वास्थ्य

1. Q. भारत-यू.के. FTA भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए, विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा और फार्मास्युटिकल नियमन के क्षेत्र में, क्या चुनौतियाँ और अवसर प्रस्तुत करता है? यह सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत तंत्रों का सुझाव दें कि व्यापार स्वास्थ्य परिणामों से समझौता न करे। (250 शब्द)

(वैकल्पिक विषय) Result Mitra
OPTIONAL SUBJECT
GEOGRAPHY
OPTIONAL
Fee - मात्र 6499 ₹
केवल 21 से 26 जून

OPTIONAL SUBJECT Result Mitra
वैकल्पिक विषय
PSIR
Fee - मात्र 6999 ₹
केवल 01 से 06 जुलाई
Dr. Faiz Sir